Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार - 2

अध्याय - 9 : सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम और व्यावसायिक उद्यमिता

भाग - 1

प्रस्तावना और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम

रूचिका सैनी

Under CSR Support by ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1. प्रस्तावना
2. सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम
3. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम की भूमिका
4. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की समस्याएँ
5. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और उद्यमिता विकास
6. बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्रस्तावना

- MSME (MSMED) विकास की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्थानीय कच्चे माल व स्वदेशी कौशल का उपयोग कर उत्पादन, रोजगार और निर्यात को बढ़ावा देते हैं।
- यह क्षेत्र औद्योगीकरण की मुख्य कड़ी बनकर, भारत के औद्योगिक परिदृश्य में श्रम बल और निर्यात क्षमता के साथ प्रमुखता से स्थापित है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

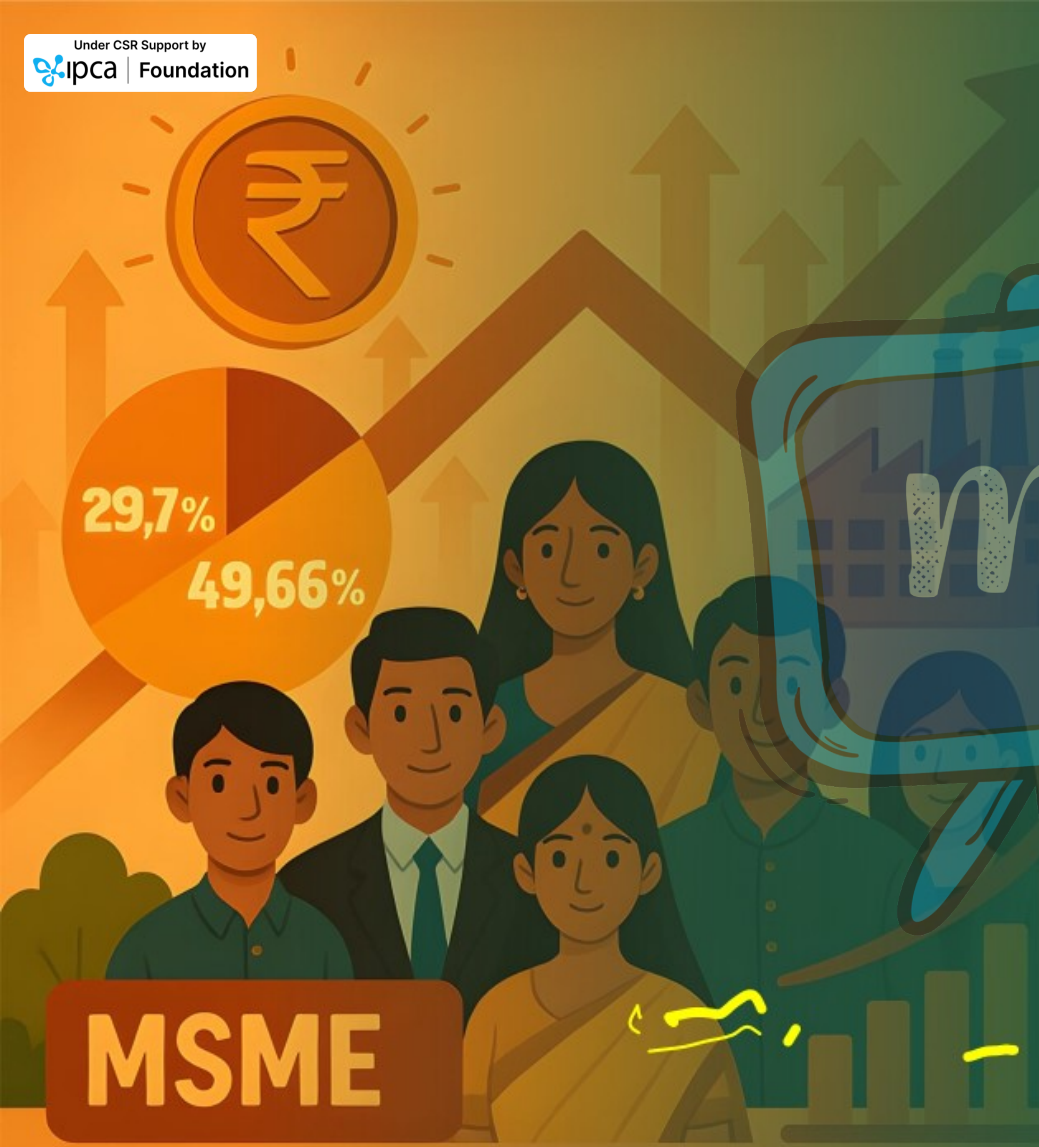

- MSME, GDP में 29.7% और निर्यात में 49.66% योगदान देते हैं, 28.5 मिलियन उद्यमों के माध्यम से 60 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं।
- ये बड़े उद्योगों के पूरक के रूप में कार्य और मूल्य श्रृंखला का अभिन्न भाग, जिससे उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

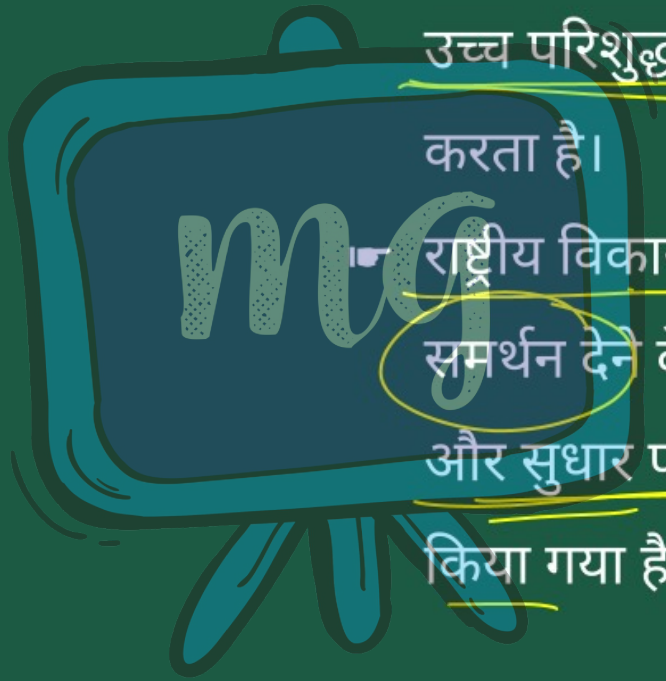

- यह क्षेत्र सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं से लेकर उच्च परिशुद्धता उत्पादों तक का उत्पादन करता है।
- राष्ट्रीय विकास और ग्रामीण औद्योगीकरण को समर्थन देने के लिए MSME को सुधार पूर्व और सुधार पश्चात् दोनों अवधियों में प्रोत्साहित किया गया है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- भारत में MSME में 'पारंपरिक' और 'आधुनिक' दोनों प्रकार के उद्योग शामिल हैं, इसके 8 उपसमूह हैं: हथकरघा, हस्तशिल्प, नारियल-जटा (कॉइअर), रेशम-उत्पादन, खादी, ग्रामोद्योग, लघु उद्योग, और पावरलूम।
- खादी, ग्रामोद्योग और नारियल-जटा MSME विकास के प्रमुख स्तंभ हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



☛ कई वैश्विक कंपनियाँ, कम लागत और स्थानीय क्षमताओं के कारण, भारतीय MSME के साथ रणनीतिक साझेदारी करने की ओर आकर्षित हो रही हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम

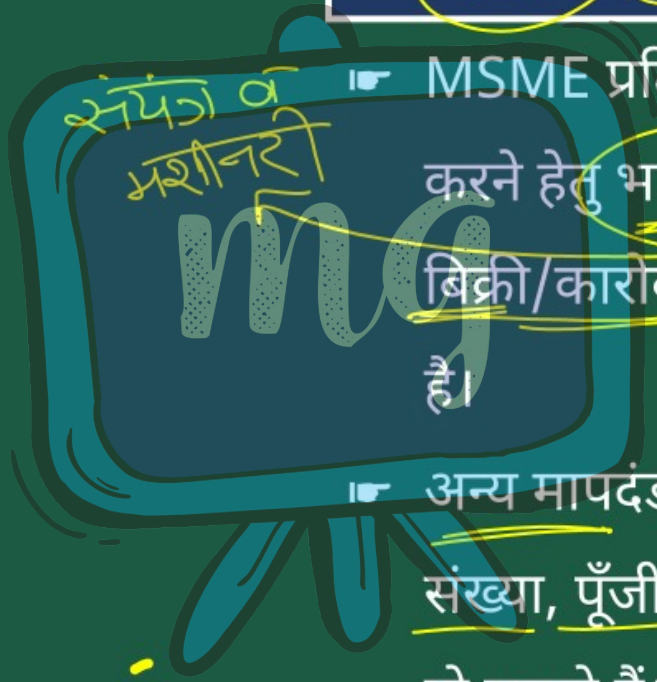

- MSME प्रतिष्ठानों के आकार को परिभाषित करने हेतु भारत सरकार द्वारा निवेश और कुल बिक्री/कारोबार को मुख्य मापदंड माना गया है।
- अन्य मापदंडों में नियोजित व्यक्तियों की संख्या, पूँजी निवेश और कुल व्यापार शामिल हो सकते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- सेवा क्षेत्र के विकास ने सरकार को लघु उद्योग (SSI) और संबंधित सेवा इकाइयों को तकनीकी रूप से सशक्त करने की आवश्यकता महसूस कराई।
- ऐसे उद्यमों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम के रूप में वर्गीकृत करना और एक एकीकृत कानूनी ढाँचा देना।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- MSMED अधिनियम, 2006 अक्टूबर से लागू हुआ, जिसने परिभाषा, ऋण, विपणन और प्रौद्योगिकी संबंधी मुद्दों को व्यवस्थित रूप से संबोधित किया।
- अधिनियम में मध्यम उद्यमों और सेवा क्षेत्र से जुड़े उद्यमों को भी सम्मिलित किया

लघु उद्यम

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

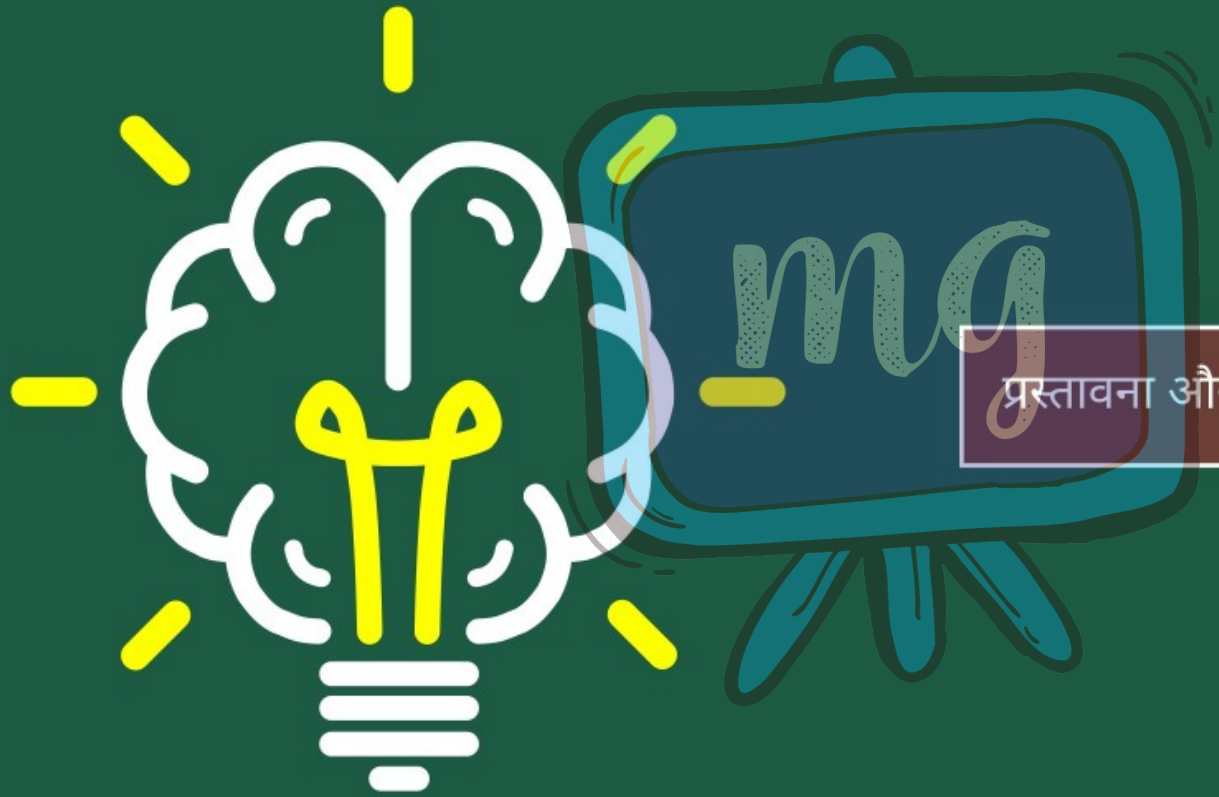

प्रस्तावना और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1 MSME विकास के प्रमुख स्तंभ है–

अ खादी उद्योग

ब ग्रामोद्योग

स नारियल-जटा (कॉइअर)

द उपर्युक्त सभी (द)



2 MSME अधिनियम कब लागू किया गया?

- अ अक्टूबर, 2004
- ब अक्टूबर, 2006
- स अक्टूबर, 2001
- द अक्टूबर, 2005



3 MSME अधिनियम में कौन से उद्योगों को शामिल किया है–

अ लघु उद्योग

ब मध्यम उद्योग

स सेवा उद्योग

द उपर्युक्त सभी (द)